

One Day training program on “Agroforestry models for Maharashtra region”

(10th March, 2023)



ICFRE - Tropical Forest Research Institute Jabalpur in collaboration with State Forest Department, Amravati division, Govt. Of Maharashtra organised One Day training program on “Agroforestry models for Maharashtra region” on 10th March, 2023 for 102 forest officials and farmers of Amravati range, Melghat forest reserve including Yawatmal, Buldhana, Amravati of Maharashtra state.

The program was organized by the institute under ICFRE-Van Vigyan Kendra, Maharashtra program. The program was inaugurated by Ms. Jayoti Benerjee, IFS, CCF (FD & MTR), Amravati division, in presence of Shri A.R. Anarsee, CCF, Social Forestry, Shri Chandrashekhar Bala, CF, T. Amravati and Dr Nanita Berry, Head & Training coordinator, Shri S.S. Kare DFO, Amravati. Dr. Berry informed about the objective of the program to expand tree cover through site specific Agroforestry models and domestication of new variety of short rotation species. Ms. Benerjee promoted the trainees to learn and explore possibilities in remunerative and carbon trading Agroforestry models for the region. She requested to implement pilot project in the region which will be replicated in whole Maharashtra. Dr. Berry delivered a comprehensive talk on Agroforestry models with special reference to the region. He also emphasized the role of field functionaries to motivate farmers to implement the suitable models. The program ended with



distribution of Certificates and vote of thanks by Shri Henry. The program was well assisted by Alfred Francis and Manoj Joshi of the division.

Glimpses of the training



March 10, 2023







Media Coverage

लोकमत समाचार

कृषि वानिकी से किसानों को मिलेगी नई दिशा

कार्यशाला में उपस्थित जबलपुर की डॉ. ननीता बेरी और वनविभाग के अधिकारी.

लोकमत समाचार सेवा

अमरावती : अमरावती संभाग में किसानों की उन्नति हो सके और किसान कृषि क्षेत्र से अधिक आय प्राप्त कर सके. इसके लिए कृषि वानिकी मॉडल अपनाया होगा. कृषि वानिकी मॉडल रोजगार, आय, और पर्यावरण संरक्षण के लिए वरदान साबित होगा. यह प्रतिपादन उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर की वैज्ञानिक डॉ. ननीता बेरी ने किया. वे अमरावती के टाइगर प्रोजेक्ट कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में बोल रही थीं. इस अवसर पर मुख्य वनसंरक्षक ज्योति वैनर्जी, मुख्यवनसंरक्षक जी. के. अनारसे, वनसंरक्षक चंद्रशेखरन वाला, सामाजिक वनीकरण के सहायक वनसंरक्षक नितिन गोंडणे, आशीष कोकाटे सहित अमरावती संभाग के पांचों जिलों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. डॉ. ननीता बेरी ने आगे कहा कि अनुपयोगी भूमि का सदुपयोग किया जा सकता है. इससे लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा. पेड़ों को लगाने में रासायनिक खाद की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. किसान फसल के साथ फलदार पेड़ लगा सकेंगे. इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी. साथ ही सूखा और बाढ़ से भी निजात मिल सकती है.

किसान खेतों में पेड़ और सब्जियां भी लगा सकते हैं जैसे बबूल, शीशम, सागौन, सफेद सौरस के साथ मूली, गाजर, मिंडी, बरबटी, पालक, टमाटर, पालक, मक्का, हल्दी सहित अन्य लगा सकते हैं. सामाजिक वनीकरण विभाग की ओर से किसानों के लिए कृषि वानिकी मॉडल के संदर्भ में मार्गदर्शन किया जाए. ताकि इससे उन्हें लाभ मिल सके. किसान बांस भी खेतों में लगा सकते हैं.

मुख्य बिंदु

एक जमीन पर एक साथ (फसल और वृक्ष) लगाने से बढ़ेगी उत्पादकता

फसलों की बुआई कब और कैसे करें, फसलों की सुरक्षा सहित अन्य जानकारी दी गई

बांस पर आधारित कृषि वानिकी से क्या फायदे हो सकते हैं के बारे में मार्गदर्शन

Apna Vidarbha
Page No. 8 | Mar 12, 2023
Powered by: erelego.com

